<u>डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी–एच0डी0) हेतु प्रस्तावित शोध प्रारूप</u>

सामाजिक विज्ञान संकाय (अर्थशास्त्र)

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा–846004)

महिला उद्यमी पर उद्यमी योजनाओं का प्रभाव : दरभंगा जिला का एक विशेष अध्ययन

1. प्रस्तावित शोध समस्या का विवरण :–

प्रस्तुत शोध कार्य दरभंगा में महिला उद्यमी पर उद्यमी योजनाओं का प्रभाव से जुड़ा हुआ है, इसके अंतर्गत बिहार राज्य के दरभंगा जिला के सन्दर्भ में एक विशेष अध्ययन प्रस्तुत किया जाएगा।

दरभंगा जिला का स्थापना सन् 1875 ई0 में हुआ था। यह जिला अक्षांश 25.63–25. 27 डिग्री उत्तर व देशांतर 85.40–86.25 डिग्री पूर्व में अवस्थित है। इस जिला का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2,279 वर्ग किलोमीटर है। 2011 की जनगणना के अनुसार दरभंगा जिला की जनसँख्या 3921971 है, जिसमें पुरुष 2059949 एवं महिला 1877436 है।

दरभंगा बागमती नदि के किनारे बसा हुआ है। यह जिले एवं प्रमंडल का मुख्यालय है। दरभंगा शहर के बहुविध एवं आधुनिक स्वरूप का विकास सोलहवीं सदी में व्यापारियों तथा ओइनवार शासकों द्वारा विकसित किया गया। दरभंगा सोलहवीं सदी में स्थापित दरभंगा राज की राजधानी था। अपनी प्राचीन संस्कृति और बौद्धिक परम्पराओं के लिए यह शहर विख्यात रहा है। यहाँ के पान–मखान, आम और मिथिला पेंटिंग, सिक्की कला आदि बहुत मशहूर हैं। यहाँ व्यवसाय के अनेक विकल्प हैं जो बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के वावजूद भी दरभंगा के लिए वरदान साबित होते हैं।

व्यापारिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद भी आज दरभंगा में महिला उद्यमियों को बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई तरह उद्यमी योजनाएं होने के बावजूद महिला उद्यमियों को जो सहयोग और मार्गदर्शन मिलना चाहिए वो नहीं मिल पा रहा है। किसी भी क्षेत्र के विकास में मुख्य सहयोगी व्यापारी वर्ग ही होता है, ऐसे में हम आधी आबादी को कैसे भूल सकते हैं जो साहस करके इस जोखिम भरे क्षेत्र में आईं हैं और विकास में सहयोगी हैं। सरकार द्वारा कई योजनाए उद्यमी महिलाओं के लिए चलाया जा रहा है परंतु धरातल पर उद्यमी महिला अब भी इन योजनाओं से बहुत हद तक वंचित है।

इसलिए दरभंगा में महिला उद्यमी पर उद्यमी योजनाओं का प्रभाव एवं उन्हें नयी संभावनाएं प्रदान करना अति आवश्यक है। इसलिए इस विषय पर शोध किए जाने की आवश्यता है। उक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस विषय का पी–एच0डी0 शोध हेतु चयन किया गया है।

2. प्रस्तावित शोध का महत्व :–

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य बिहार राज्य के दरभंगा जिला में महिला उद्यमी पर उद्यमी योजनाओं का प्रभाव के बारे में अध्ययन करना एवं महिला उद्यमियों की समस्याओं को दूर करने के कौन से उपाय किये जा सकते हैं, इसका आवश्यक सुझाव प्रस्तुत करना है। जिससे महिला उद्यमियों के आय में वृद्धि के साथ–साथ अन्य लोगों के लिए रोजगार भी बढ़ेगा। जिससे क्षेत्र का विकास होगा। दरभंगा जिला में महिला उद्यमियों को उचित मार्गदर्शन एवं जानकारी की आवश्यकता है, इस शोध से उन्हें अत्यधिक लाभ मिल सकेगा।

3. पूर्व अध्ययन की समीक्षा :–

शर्मा वाई (2013) ने भारत में महिला उद्यमियों पर एक सामान्य अध्ययन दिखाया है। उन्होंने आज तक प्रचलित सामाजिक मानदंडों पर प्रकाश डाला है जिन्हें प्राथमिकता और जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होने महिला उद्यमी के विकास हेतु योजनाओं का अध्ययन किया है। योजनाओं का लाभ पहुंचाने के कई सुझाव भी दिया है।

गोयल एम. और प्रकाश (2011) निम्न वर्ग पर पड़ने वाली भारतीय समस्याओं और संभावनाओं पर प्रकाश डालते हैं, जिससे महिला उद्यमिता प्रभावित होती है। उनका पेपर महिला उद्यमियों की अवधारणा, महिलाओं के उद्यमी बनने के कारणों, उनकी धीमी प्रगति के कारणों, महिलाओं के विकास के लिए सुझाव, भारत में महिला उद्यमिता के प्रचार और विकास के लिए योजनाओं का अध्ययन करने का प्रयास करता है और उन्होंने लुधियाना में महिला उद्यमियों का एक छोटा सा केस अध्ययन भी किया है।

गार्का पी. और कैपिटन (2016) उन तत्वों से निपटते हैं जो एक संभावित विश्लेषण के माध्यम से महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में योगदान करते हैं। उनके काम का उद्देश्य उन पर्यावरणीय न्यूनाधिकों की पहचान करना हैः वे तत्व जो महिला उद्यमिता को बढ़ाने के पक्ष में हैं और योगदान करते हैं। उन्होंने एक गुणात्मक अध्ययन दिखाया है जो एक संबंधपरक दृष्टिकोण से, उनकी सामग्री पर परीक्षण किए जाने के बाद गहराई से 10 साक्षात्कारों पर आधारित है।

तंबुनन टी. (2009) ने विकासशील देशों में एशियाई महिला उद्यमियों पर केस स्टडी की है। इसने उनके विकास और मुख्य बाधाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। लेखक का अध्ययन डेटा विश्लेषण और हाल के प्रमुख साहित्य की समीक्षा पर आधारित है। यह पेपर छोटे और मध्यम उद्यमों में केवल महिला उद्यमियों पर केंद्रित है। इस अध्ययन के निष्कर्षों के अलावा, लेखक ने क्रमशः साझा किए गए तीन मुख्य महत्वपूर्ण तथ्यों को भी सामने रखा है।

थिरुनारायणसामी, हेमलता (2022) अध्ययन से पता चल सकता है कि ग्राहक महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने में सहायता करने के लिए बनाई गई योजनाओं के बारे में कितने प्रभावी ढंग से जानते हैं। इस शोध का लक्ष्य महिला उद्यमियों के प्रोत्साहन पैकेजों के ज्ञान का आकलन करना है। इस पद्धति में, प्राथमिक स्रोत के माध्यम से 550 उत्तरदाताओं

से डेटा एकत्र करने के लिए साक्षात्कार अनुसूची का उपयोग किया गया था। एसपीएसएस का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण और व्याख्या की गई। एनोवा, ची–स्क्वायर विश्लेषण और टी–टेस्ट सभी नियोजित थे। अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार, महिला उद्यमियों को उद्यमशीलता की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई पहलों के बारे में पूरी तरह से जानकारी नहीं है; परिणामस्वरूप, सरकार और वित्तीय संस्थानों को जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित करने चाहिए।

सिल्की विगकुशवाह, टीना सिंह, सलोनी दास और अभय शर्मा (2021) में, अध्ययन में भारत के पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में महिला उद्यमियों का पता लगाया गया और महिला सशक्तिकरण की यथास्थिति का गंभीरता से पता लगाया गया। इसके बाद अध्ययन महिला उद्यमियों के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण को अलग करता है। अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार, ऋण प्राप्त करने के बाद महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण में नाटकीय रूप से सुधार हुआ, फिर भी उनमें से अधिकांश को अभी भी अपने, परिवार, रिश्तेदारों, वित्त और समाज के बारे में निर्णय लेने में कठिनाई या असहजता महसूस हुई। यह अध्ययन भारत और अन्य देशों में मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों के लिए महत्व रखता है जिनके सांस्कृ तिक मानदंड तुलनीय हैं।

दीपाली नवीन शाह, श्रीकृष्ण महाजन (2019) यह अध्ययन व्यवसाय पर ध्यान देता है, जो महिला उद्यमियों का समर्थन करने के लिए एक और महत्वपूर्ण पहलू है जिस पर जोर दिया जा रहा है। स्थानीय संसाधनों का लाभ उठाने और महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर विभिन्न परियोजनाएँ तैयार की गई हैं। यह शोध महाराष्ट्र के सांगली में किया जा रहा है, जो जिला मुख्यालय और शीर्ष चीनी उत्पादक जिला भी है। महिलाओं की कई पहल हैं। ये पहल उन महिलाओं की सहायता करती हैं जिनके पास योग्यता है लेकिन परिवार का कम समर्थन है, साथ ही उन महिलाओं की भी जिनमें आत्मविश्वास की कमी है। शोध के निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि ये पहल महिला उद्यमियों को अपने और देश दोनों के लाभ के लिए उद्यमशीलता को आगे बढ़ाने और बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करती हैं।

शिरालाशेट्टी (2013) यह अध्ययन उत्तरी कर्नाटक में 1250 महिला उद्यमियों से एकत्र किए गए प्राथमिक डेटा पर आधारित है। एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या करने के लिए, वर्गीकरण, सारणीकरण, प्रतिशत, स्केलिंग प्रक्रिया और ची–स्क्वायर जैसे सांख्यिकीय उपकरण नियोजित किए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, महिला उद्यमियों को सरकारी योजनाओं के लाभों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए और अपने स्वयं के धन का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

4. अध्ययन का उद्देश्य :–

- दरभंगा जिला की महिला उद्यमी पर उद्यमी योजनाओं का प्रभाव का अध्ययन करना।
- दरभंगा जिला की उद्यमी महिला को उद्यमी योजनाओं का लाभ मिलने में कठिनाई का अध्ययन करना।
- दरभंगा जिला की महिला उद्यमी के सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना।
- दरभंगा जिला में महिला उद्यमियों के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए सुझाव देना।

5. शोध की परिकल्पना :–

अध्ययन के उद्देश्यों, क्षेत्र के विशेषज्ञ के साथ शोधकर्ता के सैद्धांतिक ज्ञान, चर्चा और विचार–विमर्श और अन्य शोध अध्ययनों पर विचार करके निम्नलिखित परिकल्पनाएं तैयार की जाती हैं:

- दरभंगा जिला में महिला उद्यमी को सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।
- दरभंगा जिला में उद्यमी महिला को सुविधानुसार रूप से बैंक से साख मिल रहा है।
- दरभंगा जिला की महिला उद्यमी के उत्पाद का बाजार मांग है।
- दरभंगा जिला में महिला उद्यमी अन्य लोंगों को भी रोजगार दे रही है।

6. प्रस्तावित शोध की प्रविधि :–

यह अध्ययन प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ा के विश्लेषण पर आधारित है। दरभंगा जिला के उद्यमी महिलाओं से संबंधित आंकड़ा बिहार सरकार एवं भारत सरकार के वेबसाइट से प्राप्त किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न प्रकार की उद्योग में कार्यरत महिला उद्यमी से संबंधित तथ्यों के लिए पत्र–पत्रिका, अखबार एवं जिला कार्यालय से भी जानकारी प्राप्त किया जाएगा। इस शोध के क्रम में प्रश्नावली तैयार कर दरभंगा जिला के अंतर्गत 100 से अधिक उद्यमी एवं उनके उद्योग में कार्यरत कर्मियों से भी आंकड़े संग्रह कर परिकल्पना का भी जांच किया जाएगा।

7. प्रस्तावित शोध कार्य निम्न अध्याय में विभाजित हैं :–

अध्याय–1: परिचय

अध्याय–2: पूर्व अध्ययन की समीक्षा

अध्याय–3: शोध प्रविधि

अध्याय–4: दरभंगा जिला में महिला उद्यमी की स्थिति एवं योजनाओं का प्रभाव

अध्याय–5: आँकडा एवं विश्लेषण

अध्याय–6: निष्कर्ष एवं सुझाव

8. संदर्भ सूचीः—

- शर्मा, वाई, (2013), भारत में महिला उद्यमी, आईओएसआरजर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, 15 (3), 9—14.
- गोयल, एम., और प्रकाश, जे. (2011), भारत में महिला उद्यमिताः समस्याएं और संभावनाएं बहु—विषयक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 1 (5), 195—207.
- गार्का, पीओ, और कैपिटन, ओ. (2016), महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में योगदान देने वाले तत्वः भावी विश्लेषण, सुमा डे नेगोसियोस, 7 (15), 54—60.
- तम्बुनन, टी. (2009), एशियाई विकासशील देशों में महिला उद्यमिताः उनका विकास और मुख्य बाधाएँ, जर्नल ऑफ डेवलपमेंट एंड एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स इकोनॉमिक्स, 1 (2), 27—40.
- शाह, एम.डी.एन., और महाजन, डी.एस. (2019), क्या सरकारी योजनाएं महिला उद्यमिता को बढ़ावा दे रही हैं? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट एंड ह्यूमैनिटीज़, 4(3), 7—14।
- तिरुनारायणसामी, एम., और हेमलता, एम.आई. (2022)। ग्रामीण महिला उद्यमियों में उद्यमियों के विकास के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूकता का स्तर। नामीबियाई अध्ययन जर्नलः इतिहास राजनीति संस्कृति, 32, 475—489।
- विगकुशवाह, एस., सिंह, टी., दास, एम.एस., और शर्मा, ए. (2021)। महिला सशक्तिकरण पर सरकारी पहल की भूमिकाः भारत में महिला उद्यमियों का मामला। एनल्स ऑफ़ द रोमानियन सोसाइटी फ़ॉर सेल बायोलॉजी, 11522—11535।
- शिरालाशेट्टी, ए.एस. (2013)। सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता स्तर—उत्तरी कर्नाटक जिलों की महिला उद्यमियों का एक अध्ययन (यूजीसी समर्थित प्रमुख अनुसंधान परियोजना का हिस्सा)। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप सोसायटी, 5, 24—33।

पर्यवेक्षक का हस्ताक्षर | शोधार्थी का हस्ताक्षर

(डॉ. विनोद बैठा) | **(प्रियदर्शनी कुमारी)**